Adda247

GET IT ON Google Play

UP PGT

Previous Year Paper

(Economics) 2016

(Held On Feb 2019)

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

70,000+ Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+ Exam Covered

Previous Year Papers

500% Refund

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

प्रवक्ता परीक्षा, 2016

2 फरवरी, 2019 को सम्पन्न

अर्थशास्त्र (ECONOMICS)

1. **'सापेक्ष करदान क्षमता एक वास्तविकता है, जबकि पूर्ण करदान क्षमता एक कल्पना है', यह कथन है-**
(a) आर.ए. मसग्रेव का (b) एच. डॉल्टन का
(c) जे.के. मेहता का (d) फिंडले शिराज का

उत्तर—(b)

'सापेक्ष करदान क्षमता एक वास्तविकता है, जबकि पूर्ण करदान क्षमता एक कल्पना है', यह कथन डॉल्टन का है। जबकि फिंडले शिराज ने निरपेक्ष करदान क्षमता का तर्क दिया था।

2. **यदि एक गांव के कृषकों को तीन कोटियों में बांटा जाता है- सीमांत, छोटे और बड़े और फिर प्रत्येक कोटि से यादृच्छिक रूप से 50 कृषकों का एक नमूना लिया जाता है, तो यह कहलाता है-**
(a) प्रणालीगत नमूनाकरण (b) अनुक्रमित नमूनाकरण
(c) कलस्टर नमूनाकरण (d) बहुचरणीय नमूनाकरण

उत्तर—(b)

यदि एक गांव के कृषकों को तीन कोटियों में बांटा जाता है- सीमांत, छोटे और बड़े और फिर प्रत्येक कोटि से यादृच्छिक रूप से 50 कृषकों का एक नमूना लिया जाता है, तो इस प्रकार लिया गया नमूना अनुक्रमित नमूनाकरण कहलाता है।

3. **एक बंटन के अनुरूप की बेहतरी परखी जाती है-**
(a) t-परीक्षण द्वारा (b) काई-स्क्वायर परीक्षण द्वारा
(c) F-परीक्षण द्वारा (d) इनमें से सभी द्वारा

उत्तर—(b)

एक बंटन के अनुरूप की बेहतर स्थिति को परखने हेतु काई-स्क्वायर परीक्षण का प्रयोग किया जाता है।

4. **T-परीक्षण विकसित किया गया-**
(a) आर.ए. फिशर द्वारा (b) सर विलियम गोसे द्वारा
(c) कार्ल पियरसन द्वारा (d) के. वालिस द्वारा

उत्तर—(b)

T-परीक्षण सर विलियम गोसे द्वारा विकसित किया गया।

5. **वह मुद्रा जो या तो बेहतर आय या प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण एक देश से दूसरे देश में शीघ्रता से प्रवाहित होती है वह कहलाती है-**
(a) कठोर मुद्रा (b) गर्म मुद्रा (c) मृदु मुद्रा (d) शीतल मुद्रा

उत्तर—(b)

हॉट मनी या 'रिफ्यूजी पूंजी' वह पूंजी या मुद्रा होती है जिसमें शीघ्र पलायन करने की प्रवृत्ति होती है। जिस स्थान पर अधिक लाभ मिलने की संभावनाएं होती हैं, वहीं पलायन कर जाती है, जैसे- अमेरिकी डॉलर।

6. **'ग्लोबल कॉम्पिटीटिवनेस रिपोर्ट' निम्नलिखित में से किस संगठन द्वारा जारी की जाती है?**
(a) विश्व व्यापार संगठन (b) डब्ल्यू. एच. ओ.
(c) विश्व बैंक (d) विश्व आर्थिक फोरम

उत्तर—(d)

'ग्लोबल कॉम्पिटीटिवनेस रिपोर्ट' विश्व आर्थिक फोरम (WEC) द्वारा जारी की जाती है।

7. **कीन्सवादियों के अनुसार रेंगती मुद्रास्फीति सहायता करती है-**
(a) बेरोजगारी न्यूनतम करने में
(b) वास्तविक उत्पाद अधिकतम करने में
(c) (a) और (b) दोनों
(d) उक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c)

कीन्सवादियों के अनुसार रेंगती मुद्रास्फीति बेरोजगारों को न्यूटनतम करने वास्तविक उतपाद को अधिकतम करने आदि में सहायता करती है।

8. **किसी समिति ने भारत में कृषि जोत पर कर की संस्तुति की?**
(a) टंडन समिति (b) राज समिति
(c) केलकर समिति (d) दंतवला समिति

उत्तर—(b)

वर्ष 1972 में Taxation of Agricultural Wealth and Income-K.N. Raj की अध्यक्षता में कर सुधार की दिशा में एक समिति गठित की गई जिसने निम्न सुझाव दिए-
कृषि जोत कर लगाने का सुझाव, कृषि तथा गैर-कृषि आय को निर्धारित करके आंशिक रूप से जोड़ना।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

➲ बी.वेंकटैया की अध्यक्षता में रिज़र्व बैंक ने 'अखिल भारतीय ग्रामीण साख समीक्षा समिति' गठित की थी जिसने अपनी रिपोर्ट वर्ष 1969 में दी थी। रिज़र्व बैंक ने ए.एम.' खुशरो की अध्यक्षता में भी 'अखिल भारतीय ग्रामीण साख समीक्षा समिति', गठित की थी जिसने अपनी रिपोर्ट वर्ष 1989 में दी थी।
➲ (NABARD) नाबार्ड की स्थापना 'शिवरामन कमेटी' की संस्तुति पर 12 जुलाई, 1982 को हुई थी।
➲ विद्यानाथन समिति' (2004) ग्रामीण सहकारी साख समितियों के सुधार से संबंधित है।

Adda247 GET IT ON Google Play

9. आर. बी. आर. मुद्रा- आपूर्ति के चार घटकों यथा M^1, M^2, M^3, और M^4 की गणना करता है। निम्नलिखित में से गलत युग्म चुनिए-

(a) M^1 जनता के पास मुद्रा और सिक्के, बैंक की मांग निक्षेपों से बना है

(b) M^2, M^1 और डाकघर के निक्षेपों से बनता है

(c) M^3 में M^2 और M^1 का योग शामिल है

(d) M^4 में M^3 और मांग के साथ-साथ डाकघर के समय निक्षेप शामिल होते हैं

उत्तर—(c)

वर्ष 1967-68 तक मुद्रा पूर्ति का केवल एक ही माप-M प्रदर्शित करता था (M=C+DD+OD) जो बाद में M_1 के रूप में व्यक्त हुआ। वर्ष 1967-68 के बाद RBI ने व्यापक मुद्रा की धारणा (M_3) स्वीकार की।

M_1 = C+DD+OD

$M_2 = M_1$ + पोस्ट ऑफिस की बचत बैंक जमाएं

$M_3 = M_1$ + बैंकों तथा सहकारी बैंकों की समय जमाएं

$M_4 = M_3$ + पोस्ट ऑफिस की कुल जमाएं

M_1 सबसे तरल तथा M_4 सबसे अतरल होता है।

M_3 को 'व्यापक मुद्रा' कहते हैं।

10. हेक्शर-ऑलिन मॉडल द्वारा किस प्रकार के व्यापार का वर्णन नहीं किया गया?

(a) पैमाना की किफायतों पर आधारित व्यापार

(b) अंतरा उद्योग व्यापार

(c) अनुकरण अंतराल और उत्पाद चक्र पर आधारित व्यापार

(d) उक्त सभी

उत्तर—(d)

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के परिप्रेक्ष्य में हेक्सर-ओहलिन प्रतिपादित सिद्धांत की मान्यताएं निम्नलिखित हैं-

1. दो देश, दो वस्तुएं और उत्पादन के दो साधन हैं, अर्थात $2 \times 2 \times 2$ मॉडल है।
2. वस्तु तथा साधन बाजारों में पूर्ण प्रतियोगिता है।
3. दोनों देशों में उत्पादन के सभी संसाधन पूर्णतः रोजगार में हैं।
4. विभिन्न प्रदेशों की साधन संपन्नताओं में अंतर है, परंतु गुणात्मक रूप से वे समरूप हैं।
5. दोनों वस्तुओं के उत्पादन फलनों की साधन गहनताएं विभिन्न हैं अर्थात वे श्रमगहन तथा पूंजी गहन हैं।
6. विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन फलन भिन्न-भिन्न हैं, परंतु दोनों देशों में प्रत्येक वस्तु के उत्पादन फलन समान है।
7. प्रत्येक प्रदेश के भीतर साधन पूर्णतया गतिशील हैं, परंतु अंतर्राष्ट्रीय रूप से वे गतिहीन हैं।
8. दोनों देशों के बीच मुक्त तथा बिना किसी प्रतिबंध के व्यापार है।
9. प्रत्येक प्रदेश में प्रत्येक वस्तु के उत्पादन में पैमाने के स्थिर-प्रतिफल हैं।

11. अग्र-अंतरणशील कर प्रभावित करेगा-

(a) खरीददारों को विक्रेता से ज्यादा

(b) विक्रेता को क्रेता से ज्यादा

(c) क्रेताओं और विक्रेताओं को समान रूप में

(d) सरकारी राजस्व को ऋणात्मक रूप से

उत्तर—(a)

अग्र-अंतरणशील कर खरीददारों को विक्रेता से ज्यादा प्रभावित करेगा।

12. निम्नलिखित में से किसे गुणक में रिसाव के रूप में माना जाता है?

(a) बचत के लिए उच्च सीमांत प्रवृत्ति (b) आयात की उच्चतर प्रवृत्ति

(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(c)

गुणक का मान अधिक तब होता है, जब आय अर्जन एवं व्यय में समय अंतराल हो। क्योंकि जब निर्यात बढ़ते हैं, तब निर्यात उद्योगों से संबंधित व्यक्ति की आय भी बढ़ती है, जो आगे वस्तुओं के लिए मांग उत्पन्न करती है और यह मांग उनकी सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) एवं सीमांत आयात प्रवृत्ति (MPM) पर निर्भर करता है। इस तरह ये दोनों प्रवृत्तियां जितनी कम होंगी गुणक का मूल्य उतना ही अधिक होगा।

MPS एवं MPM व्यय को दर्शाती हैं।

$$Kf = \frac{1}{MPS + MPM}$$

(जहां Kf गुणक है।)

स्पष्ट है कि MPS एवं MPM जितना कम होगा गुणक का मूल्य उतना ही अधिक होगा।

13. अंतरराष्ट्रीय व्यापार में राशिपातन संदर्भित करता है-

(a) घरेलू बाजार में वस्तुएं सस्ती बेचना और विदेशी बाजार में महंगी बेचना

(b) कम मूल्य की निम्नतर वस्तुएं विकसित देशों द्वारा एल.डी.सी. में बेचना

(c) विदेशी बाजार में चीजें सस्ती बेचतना और घरेलू बाजार में महंगी बेचना

(d) विकसित अर्थव्यवस्था में एल.डी.सी. द्वारा निम्न मूल्य की वस्तुएं बेचना

उत्तर—(c)

लागत से कम या घरेलू बाजार में जिस मूल्य पर कोई वस्तु बेची जा रही है, उससे कम मूल्य पर निर्यात करना जिससे दूसरे देश का बाजार छीना जा सके, डंपिंग (राशिपातन) कहते हैं।

14. श्रम लगाने में फर्म द्वारा वहन की गई लागत कहलाती है-

(a) सुनिश्चित लागत (b) अस्पष्ट लागत

(c) सीमांत लागत (d) अवसर लागत

उत्तर—(a)

'मौद्रिक लागत' को 'आर्थिक लागत' कहा जाता है। मौद्रिक लागत तथा आर्थिक लागत किसी फर्म द्वारा एक वस्तु के उत्पादन में किए गए कुल मुद्रा व्यय को कहा जाता है। इसके अंतर्गत तीन लागतों को सम्मिलित किया जाता है-

1. सुनिश्चत लागतें या व्यक्त लागतें (Explicit Cost)- इन्हें 'लेखांकन लागतें' भी कहा जाता है। इसके अंतर्गत वे सभी व्यय आते हैं जो एक उत्पादक उत्पादन करने के लिए व्यय करता है, जैसे- कच्चे माल के क्रय पर व्यय, उत्पादन के विभिन्न साधनों को दिया जाने वाला लगान, ब्याज, वेतन आदि के रूप में उत्पादन लागत, विज्ञापन व्यय, विक्रय लागत, बीमा व्यय, कर आदि।

2. अंतर्निहित/अव्यक्त लागतें (Inputed Costs)- इसके अंतर्गत वे व्यय आते हैं जो उस समय उपस्थित होते हैं जबकि उत्पादन क्रिया में प्रयोग में आने वाले कुछ साधन स्वयं नियोक्ता के हों। जैसे प्रबंधकर्ता- मालिक का वेतन, जो वेतन न लेकर सामान्य लाभ से ही संतुष्ट है, यदि बिल्डिंग उद्योगपति की अपनी हो, तो उसका अनुमानित किराया, उद्योगपति की अपनी लगाई हुई पूंजी का ब्याज आदि।

3. सामान्य लाभ (Normal Profit)- लाभ की वह न्यूनतम मात्रा, जिसके बिना कोई भी साहसी किसी उद्योग में बना नहीं रह सकता है।

आर्थिक लागत या मौद्रिक लागत = लेखांकन लागत + अव्यक्त लागत + सामान्य लाभ

15. यदि घरेलू उपभोक्ताओं की मांग अनंत लोचशील और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं की पूर्ति पूर्णतः बेलोचदार है, तब समग्र प्रशुल्क-

(a) घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा देय होगा
(b) विदेशी उत्पादकों द्वारा देय होगा
(c) समान रूप से घरेलू उपभोक्ताओं और विदेशी उत्पादकों द्वारा देय होगा
(d) उत्पाद न तो राजस्व और न ही सुरक्षा देगा

उत्तर—(b)

यदि घरेलू उपभोक्ताओं की मांग अनंत लोचशील और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं की पूर्ति पूर्णतः बेलोचदार है, तब समग्र प्रशुल्क- विदेशी उत्पादकों द्वारा देय होगा।

16. समकालिक समीकरण की अति जात प्रणाली का अनुमान लगाने के लिए प्रयुक्त तकनीक है-

(a) साधारण न्यूनतम वर्ग
(b) अधिकतम संभाव्यता
(c) सीमित सूचना अधिकतम संभाव्यता
(d) द्वि-चरण न्यूनतम वर्ग

उत्तर—(d)

समकालिक समीकरण की अति जात प्रणाली का अनुमान लगाने के लिए द्वि-चरण न्यूनतम वर्ग तकनीक प्रयोग की जाती है।

17. तरलता जाल वह स्थिति है जब-

(a) सभी संभावित निवेशक भविष्य में ब्याज दर बढ़ने की अपेक्षा करते हैं
(b) प्राकृतिक ब्याज दर आलोच्य ब्याज दर से ऊपर है
(c) सभी संभावित निवेशक भविष्य में ब्याज दर कम होने की अपेक्षा करते हैं
(d) सट्टा उद्देश्य के लिए मुद्रा की मांग ब्याज आलोचशील है

उत्तर—(a)

तरलता जाल एक ऐसी स्थिति है जिसमें पहुंचने के बाद मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि के द्वारा भी ब्याज दर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। क्योंकि तरलता अधिमान वक्र पूर्णतया लोचदार हो जाता है। इस प्रकार मौद्रिक नीति विनियोग को प्रोत्साहित करने में असफल हो जाती है। इस धारणा का प्रतिपादन कीन्स ने वर्ष 1930 की विश्व मंदी की अवस्था को चिह्नित करने के लिए किया।

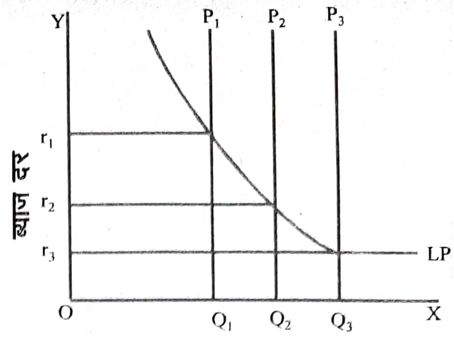

मुद्रा की मात्रा

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

- कीन्स के अनुसार, तरलता जाल की स्थिति से निकलने के लिए राजकोषीय नीति का सहारा लेना चाहिए तथा सार्वजनिक व्यय में वृद्धि लानी चाहिए।
- इस अवस्था में सभी विनियोजक मंदड़िए की प्रकृति के हो जाते हैं। निम्नतम ब्याज दर पर तरलता की मांग पूर्णतया लोचदार हो जाती है।
- तरलता जाल में निष्क्रिय नकदी शेष की मांग बढ़ जाती है, लोग बॉण्ड बेचने लगते हैं।

18. ई-शक्ति परियोजना किसने अपनाया है?

(a) NABARD (b) RRB (c) SIDBI (d) SBI

उत्तर—(a)

ई-शक्ति परियोजना नाबार्ड (NABARD) द्वारा अपनाया गया है।

19. भारत सरकार द्वारा न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT) निम्नलिखित में किस कर के साथ लगाया जाता है?

(a) निजी आयकर (b) निगम कर
(c) सेवा कर (d) व्यय कर

उत्तर—(b)

भारत सरकार द्वारा न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT) निगम कर के साथ लगाया जाता था।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्रत्यक्ष कर नहीं है?

(a) बिक्री कर (b) आय कर (c) संपत्ति कर (d) संपदा शुल्क

उत्तर—(a)

अप्रत्यक्ष अथवा परोक्ष कर वे कर हैं, जिनके करभार को करदाता दूसरों पर टालने में सफल हो जाते हैं। इन करों का तात्कालिक और अंतिम भार अलग-अलग व्यक्तियों पर होता है। अप्रत्यक्ष कर निम्न हैं- केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, बिक्रीकर आदि।

करों का वर्गीकरण

प्रत्यक्ष कर	अप्रत्यक्ष कर
1. आयकर	1. सीमा शुल्क
2. निगम कर	2. केंद्रीय उत्पाद शुल्क
3. संपत्ति कर	3. सेवाकर
4. सम्पदा कर	4. बिक्री कर
4. उपहार कर	5. वैट
	6. प्रतिभूति-लेन-देन कर

21. भारत में राष्ट्रीय आय अनुमानित की जाती है-
(a) योजना आयोग द्वारा
(b) वित्त आयोग द्वारा
(c) भारतीय सांख्यिकीय संस्थान द्वारा
(d) केंद्रीय सांख्यिकी संगठन

उत्तर—(d)

भारत में राष्ट्रीय आय का आकलन 'केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन' (CSO) करता है। केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन की स्थापना 2 मई, 1951 को की गई थी। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है और इसकी 'औद्योगिक सांख्यिकी शाखा (Industrial Statistics Wing) कोलकाता में स्थित है।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

- CSO सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय का एक भाग है।
- CSO, 1956 से लगातार प्रत्येक वर्ष 'वार्षिक राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी' (National Accounts Statistics-NSA) प्रकाशित करता है।
- 1 जून, 2005 को 'स्थायी सांख्यिकी आयोग' गठित किया गया।
- प्रो.पी.सी.महालनोबिस की संस्तुति पर वर्ष 1950 में 'राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण' (NSS) की स्थापना की गई।

22. देशों के बीच मुक्त व्यापार क्षेत्र, उभयनिष्ठ बाह्य कर, पूंजी और श्रम का मुक्त प्रवाह तथा सरकारी और मौद्रिक नीतियों में एकीकरण की नीति के संबंध में समझौता कहलाता है-
(a) उभयनिष्ठ बाजार
(b) सीमाशुल्क संघ
(c) आर्थिक संघ
(d) मुक्त व्यापार क्षेत्र

उत्तर—(c)

देशों के बीच मुक्त व्यापार क्षेत्र, उभयनिष्ठ बाह्य कर, पूंजी और श्रम का मुक्त प्रवाह तथा सरकारी और मौद्रिक नीतियों में एकीकरण की नीति के संबंध में समझौता आर्थिक संघ कहलाता है।

23. अंतरराष्ट्रीय विकास एसोसिएशन प्रशासित होती है-
(a) IMF द्वारा
(b) विश्व बैंक द्वारा
(c) GATT द्वारा
(d) ADB द्वारा

उत्तर—(b)

अंतरराष्ट्रीय विकास एसोसिएशन विश्व बैंक द्वारा प्रशासित होती है।

24. एशियाई विकास बैंक किसके अधीन कार्य करता है?
(a) IMF
(b) IBRD
(c) ECAFE
(d) (a) और (b) दोनों

उत्तर—(c)

एशियाई विकास बैंक (ADB) एशिया और प्रशांत क्षेत्र हेतु संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक आयोग (Economic Commission for Asia & Far East-ECAFE) द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

25. भारतीय अर्थशास्त्रियों में से राष्ट्रीय आय पर बुनियादी कार्य किसने किया है?
(a) पी.एन. धर
(b) प्रोफेसर शेनाय
(c) जगदीश भगवती
(d) वी.के.आर.वी. राव

उत्तर—(d)

भारतीय अर्थशास्त्रियों में से राष्ट्रीय आय पर बुनियादी कार्य वी.के.आर.वी. राव ने किया था।

26. ये बैंक आरबीआई अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची में प्रविष्ट हैं। इनकी भुगतान की गई पूंजी है और समग्र आरक्षित का मान रु. 5 लाख से कम नहीं है। ये आरबीआई को संतुष्ट करते हैं कि उनके कार्यों से जमाकर्ताओं के हित साधे जाते हैं।
कौन-से बैंक यहां संदर्भित हैं?
(a) अनुसूचित बैंक
(b) सहयोगियों के साथ स्टेट बैंक
(c) पंजाब नेशनल बैंक
(d) इम्पीरियल बैंक

उत्तर—(a)

अनुसूचित बैंक आरबीआई अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची में प्रविष्ट हैं। इनकी भुगतान की गई पूंजी है और समग्र आरक्षित का मान रु. 5 लाख से कम नहीं है। ये आरबीआई को संतुष्ट करते हैं कि उनके कार्यों से जमाकर्ताओं के हित साधे जाते हैं।

27. भारत में, निम्नलिखित में से किसका भाग कृषि और संबद्ध गतिविधियों में ऋण वितरण में सर्वाधिक है?
(a) सूक्ष्मवित्त संस्थाएं
(b) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
(c) सहकारी बैंक
(d) वाणिज्यिक बैंक

उत्तर—(d)

वाणिज्यिक बैंकों का कृषि और संबद्ध गतिविधियों में ऋण वितरण में सर्वाधिक योगदान है।

28. बजट में राजकोषीय घाटे का अर्थ है-
(a) राजस्व घाटा + सरकार की निवल उधारियां
(b) बजटीय घाटा + सरकार की निवल उधारियां
(c) पूंजी घाटा + राजस्व घाटा
(d) प्राथमिक घाटा - पूंजी घाटा

उत्तर—(b)

राजकोषीय घाटा = [(समग्र राजस्व आय) + (समग्र पूंजी प्राप्ति) - सार्वजनिक ऋण तथा अन्य देयताएं]- (समग्र व्यय)
= [(समग्र राजस्व आय) + (समग्र पूंजीगत प्राप्ति)- (समग्र व्यय)] + सार्वजनिक ऋण तथा अन्य देयताएं
= बजटरी घाटा + सार्वजनिक ऋण तथा अन्य देयताएं
यदि बजटरी घाटा शून्य हो (जैसा भारत में है) तो
राजकोषीय घाटा = सार्वजनिक ऋण तथा अन्य देयताएं।

29. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत में मौद्रिक नीति का उद्देश्य नहीं है?
(a) आर्थिक विकास को बढ़ाना
(b) मूल्य स्थिरता प्राप्त करना
(c) विदेशी व्यापार नियमित करना
(d) विनिमय दर स्थिर करना

उत्तर—(c)

Adda247
GET IT ON Google Play

मौद्रिक नीति एक अन्य महत्त्वपूर्ण साधन है जिसके द्वारा समष्टिपरक आर्थिक नीति के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है। राजकोषीय नीति के समान ही मौद्रिक नीति का भी बृहद उद्देश्य उत्पादन के पूर्ण रोजगार स्तर पर साम्य की स्थापना करना तथा अर्थव्यवस्था में कीमत स्थिरता को सुनिश्चित करना है। मौद्रिक नीति समग्र मांग के स्तर को प्रभावित करके पूर्ण रोजगार अथवा संभावी उत्पादन स्तर पर अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाने के उद्देश्य से मुद्रा की पूर्ति तथा ब्याज दर में परिवर्तन करने से संबंधित होती है।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

➲ मौद्रिक नीति के चार बड़े उपकरण निम्न हैं-

1. खुले बाजार की क्रियाएं (Open Market Operations),
2. बैंक दर में परिवर्तन,
3. नकद कोष अनुपात में परिवर्तन करना,
4. चयनात्मक साख नियंत्रण करना।

➲ मौद्रिक या साख नियंत्रण के दो तरीके हैं-

(A) सामान्य तरीके या परिमाणात्मक तरीके (Quantitative Measures)

a. बैंक दर (b) सीमांत या स्थायी सुविधा दर
c. खुली बाजार की क्रियाएं
d. रेपो तथा रिवर्स रेपो, एल ए.एफ (अल्पकालीन)
e. परिवर्तनीय कोष अनुपात (VRR)

नकद कोष अनुपात (CRR) | वैधानिक तरलता अनुपात (SLR)

(B) चयनात्मक या गुणात्मक तरीके (Qualitative Measures)

1. न्यूनतम सीमा या मार्जिन निर्धारण
2. नैतिक दबाव
3. साख मापदंड का निर्धारण
4. साख स्वीकृतिकरण योजना

30. एक प्रतिगामी कर के साथ, जैसे आय-

(a) बढ़ती है, कर की दर समान रहती है
(b) घटती है, कर की दर घटती है
(c) बढ़ती है, कर की दर बढ़ती है
(d) बढ़ती है, कर की दर घटती है

उत्तर—(d)

लोक वित्त में न्याय एवं कर भार की दृष्टि से करों को चार भागों में बांटा जाता है-

1. **आनुपातिक कर (Proportional Taxation)** - यह कर की वह दर है जिसमें कर के आधार में परिवर्तन होने पर भी कर की दर समान रहती है। इसके अंतर्गत सभी करदाता अपनी आय का समान अनुपात करों के रूप में भुगतान करते हैं।
2. **प्रगतिशील कर/आरोही कर (Progressive Tax)** - इस कर प्रणाली में आय की वृद्धि के साथ ही कर दर में भी वृद्धि होती है अर्थात 'अधिक आय, अधिक कर की दर'। इसमें करदाता की आय जितनी अधिक होती है, उतने ही अधिक अनुपात में वह कर अदा करता है। यह कर प्रणाली आय की असमानताओं को कम करती है।
3. **प्रतिगामी या अवरोही कर (Regressive Tax)** - इसमें कर की दर कर के आधार (आय) की वृद्धि के साथ क्रमशः घटती जाती है। इसके अंतर्गत करदाता की आय जितनी अधिक होती है, कर का दिया जाने वाला अनुपात उतना ही कम होता है। इस कर का अधिक बोझ गरीबों के ऊपर पड़ता है, जैसे- निम्न आय पर 10 प्रतिशत कर और ऊंची आय पर 5 प्रतिशत कर।
4. **अधोगामी कर (Degressive Tax)** - यह कर प्रणाली प्रगतिशील तथा आनुपातिक कर प्रणाली का मिश्रण है। इसमें एक निश्चित सीमा तक कर प्रगतिशील होते हैं, किंतु इस सीमा के बाद यह कर आनुपातिक बन जाते हैं। भारत में इसी प्रकार की कर प्रणाली पाई जाती है।

इन चारों कर प्रणालियों को निम्नांकित चित्र में दिखाया गया है-

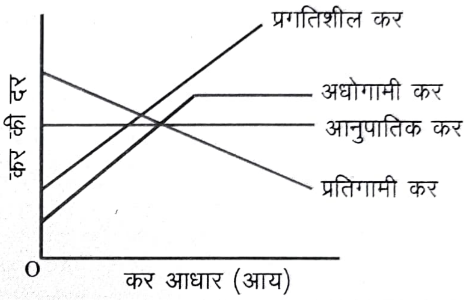

31. भुगतान संतुलन खातों की संरचना व्यवस्थित कीजिए जिसमें वे दिखते हैं।

1. पूंजी खाता   2. त्रुटि और चूक
3. चालू खाता   4. आधिकारिक निपटान खाता

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 3, 1, 4, 2 (c) 4, 3, 2, 1 (d) 3, 4, 1, 2

उत्तर—(b)

भुगतान संतुलन खातों की संरचना का व्यवस्थित क्रम है- चालू खाता, पूंजी खाता, आधिकारिक निपटान तथा त्रुटि और चूक।

32. करारोपण में समता सामान्यतः संतुष्ट की हुई मानी जाती है।

(a) आनुपातिक करारोपण द्वारा (b) प्रगतिशील करारोपण द्वारा
(c) प्रतिगामी करारोपण द्वारा (d) एकमुश्ती कर द्वारा

उत्तर—(b)

प्रगतिशील करारोपण वह होता है जिसमें आय की वृद्धि के साथ कर की दर भी बढ़ती जाती है। प्रगतिशील करारोपण को अधिक न्यायपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसका बोझ आय की उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ बढ़ता है। डॉल्टन ने भी आय की विषमता को दूर करने के लिए प्रगतिशील सार्वजनिक व्यय तथा प्रगतिशील करारोपण के संयोग को अधिक प्रभावी माना।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य-

➲ सार्वजनिक व्यय से होने वाला लाभ यदि आय के बढ़ते स्तर के साथ घटे तो सार्वजनिक व्यय को 'प्रगतिशील व्यय', यदि बढ़े तो 'प्रतिगामी व्यय' तथा यदि स्थिर रहे तो 'आनुपातिक व्यय' कहते हैं।

➲ महंगाई भत्ते की दर यदि वेतन की वृद्धि के साथ घटे तो प्रगतिशील व्यय यदि बढ़े तो प्रतिगामी व्यय तथा यदि स्थिर रहे तो इसे आनुपातिक व्यय कहेंगे।

Adda247 GET IT ON Google Play

33. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही सुमेलित है?

(a) MFA : कृषि मुक्त व्यापार
(b) UNCTAD : मुक्त व्यापार क्षेत्र
(c) IMF : भुगतान संतुलन समस्याएं
(d) MFN : प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

उत्तर–(c)

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना ब्रेटन वुड्स समझौते के तहत 27 दिसंबर, 1945 को हुई थी। इसने 1 मार्च, 1947 से कार्य करना शुरू किया। 2012 में दक्षिण सूडान इसका 188वां सदस्य देश बना। इसका प्रमुख कार्य सदस्य देशों के भुगतान असंतुलन की समस्या को दूर करने के लिए अल्पकालीन ऋण देना है। IMF प्रत्येक वर्ष विश्व अर्थव्यवस्था के संबंध में वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक प्रकाशित करता है। वर्तमान में फ्रांस के क्रिस्टीन लेगार्ड इसके प्रबंध महानिदेशक हैं।

34. वह बंटन जिसके लिए माध्य और प्रसरण बराबर होते हैं, है-

(a) पाइसन (b) द्विआधारी (c) सामान्य (d) गामा

उत्तर–(a)

पाइसन बंटन के लिए माध्य (Mean) और बंटन (Variance) बराबर होते है।

35. निम्नलिखित में से कौन-सा केंद्रीय प्रवृत्ति का माप नहीं है?

(a) श्रेणी (b) बहुलक (c) माध्य (d) माध्यिका

उत्तर–(a)

श्रेणी केंद्रीय प्रवृत्ति की माप नहीं है, जबकि शेष तीनों केंद्रीय प्रवृत्ति की माप हैं।

36. लाभ के अनिश्चितता सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया-

(a) जे.बी. क्लार्क द्वारा (b) एडम स्मिथ द्वारा
(c) फ्रैंक नाइट द्वारा (d) केल्डोर द्वारा

उत्तर–(c)

प्रो. एफ. एच. नाइट ने अपनी पुस्तक 'Risk, Uncertainty and Profit' में विस्तृत रूप में इसका प्रतिपादन किया कि लाभ 'अनिश्चितता वहन' करने का प्रतिफल अथवा पारितोषिक है। नाइट के अनुसार, लाभ प्रवैगिक अर्थव्यवस्था में ही पाया जाता है, स्थैतिक अर्थव्यवस्था में लाभ का जन्म ही नहीं होगा। केवल गत्यात्मक परिवर्तन का होना ही लाभ के जन्म के लिए आवश्यक नहीं है, अर्थात यदि किसी परिवर्तन का पूर्व-ज्ञान और पूर्व अनुमान हो सकता तो भविष्य के बारे में कोई अनिश्चितता नहीं होती और इसलिए कोई लाभ भी न होते। लाभ भविष्य की अनिश्चितता के कारण उत्पन्न होते हैं। भविष्य की यह अनिश्चितता ही साहसी के लिए जोखिम को जन्म देती है और इस अनिश्चितताजन्य अन्य जोखिम का प्रतिफल ही लाभ है।

37. उद्घाटित अधिमान सिद्धांत का निरूपण किया गया-

(a) पॉल सेम्युलसन द्वारा (b) हिक्स द्वारा
(c) कीन्स द्वारा (d) वॉकर द्वारा

उत्तर–(a)

प्रकट अधिमान सिद्धांत का प्रतिपादन प्रो. पाल सैमुएल्सन ने किया। यह सिद्धांत उपभोक्ता के वास्तविक व्यवहार पर आधारित है। इस सिद्धांत की निम्नलिखित मान्यताएं हैं-
1. उपभोक्ता विवेकपूर्ण व्यवहार करेगा।
2. सकर्मकता- यदि किसी विशेष दशा में A > B तथा B > C तो A > C। अर्थात यदि A को B पर वरीयता मिली है तथा B को C पर वरीयता मिली हो तो निश्चित रूप से A को C पर वरीयता प्राप्त होगी।
3. उपभोक्ता की रुचि दी हुई है, स्थिर है।
4. सबल क्रमबद्धता।
5. व्यक्त प्राथमिकता की अवधारणा।

38. विभिन्न देशों के बीच आर्थिक एकीकरण की प्रक्रिया में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही क्रम है?

(a) उभयनिष्ठ बाजार - मुक्त व्यापार क्षेत्र - सीमाशुल्क संघ - आर्थिक संघ
(b) मुक्त व्यापार क्षेत्र - सीमाशुल्क संघ - उभयनिष्ठ बाजार - आर्थिक संघ
(c) मुक्त व्यापार क्षेत्र - उभयनिष्ठ बाजार - सीमाशुल्क संघ - आर्थिक संघ
(d) उभयनिष्ठ बाजार - मुक्त व्यापार क्षेत्र - आर्थिक संघ - सीमाशुल्क संघ

उत्तर–(b)

विभिन्न देशों के बीच आर्थिक एकीकरण की प्रक्रिया में सही क्रम है- मुक्त व्यापार क्षेत्र - सीमा शुल्क संघ - उभयनिष्ठ बाजार - आर्थिक संघ।

39. 'जोखिम पूंजी निधि' के संबंध में कथन पर विचार करें-

1. नवोन्मेषी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित पूंजी राशि
2. यह सार्वजनिक या निजी हक वाला हो सकता है
3. IVCF निजी मिल्कियत के अंतर्गत लगाई ऐसी पहली निधि है

कूट का प्रयोग करके सही कथन चुनिए।

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर–(a)

'जोखिम पूंजी निधि' (Venture Capital Fund) के संबंध में कथन (1) एवं (2) दोनों सत्य हैं।

40. दिए गए कूट प्रयोग करते हुए वे मद चुनिए जो भारत अपने चालू खाते में दिखाता है-

1. निर्यात के कारण आगत और आयात के कारण निर्गत
2. आय विचलन के कारण आगत और निर्गत
3. विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के कारण आगत और निर्गत
4. बाह्य ऋण और उधारियां

कूट :

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 2 और 4

उत्तर–(a)

भारत अपने चालू खाते में निर्यात के कारण आगत और आयात के कारण निर्गत तथा आय विचलन के कारण आगत और निर्गत दोनों को दिखाएगा।

Adda247 GET IT ON Google Play

41. निम्नलिखित में से कौन-सी भारत में महिलाओं के उत्थापन की एक योजना नहीं है-

(a) बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओं (b) सुकन्या समृद्धि योजना
(c) लैंगिक बजटिंग (d) उज्ज्वला योजना

उत्तर—(d)

उज्ज्वला योजना महिलाओं के उत्थापन या सशक्तीकरण की योजना नहीं है। शेष तीनों महिला सशक्तीकरण हेतु लागू की गई हैं।

42. आयकर सामान्यतः किस सिद्धांत पर आधारित है?

(a) प्राप्तलाभ सिद्धांत
(b) करदेय योग्यता सिद्धांत
(c) भुगतान करने की तत्परता का सिद्धांत
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

आयकर सामान्यतः करदेय योग्यता सिद्धांत पर आधारित है।

43. निम्नलिखित में से कौन-सा सरकारी बजट में एक पूंजी प्राप्ति है?

(a) सरकार द्वारा अन्य पार्टियों को दिए गए ऋणों पर ब्याज प्राप्ति
(b) सार्वजनिक उद्यमों का लाभांश और लाभ
(c) जनता से सरकार की उंधारियां
(d) संपत्ति कर प्राप्तियां

उत्तर—(c)

जनता से सरकार की उधारियां सरकारी बजट में पूंजी प्राप्ति में दिखाई जाती हैं।

44. 'स्फीतिक अन्तराल' की अवधारणा का प्रतिपादन किया-

(a) जे.एम. कीन्स ने (b) ऐ.सी. पीगू ने
(c) ए. मार्शल ने (d) जे.आर. हिक्स ने

उत्तर—(a)

स्फीतिक अंतराल (Intlationy Gap) की अवधारणा प्रो. जे. एम. कींस द्वारा दी गयी। जब समग्र मांग 'पूर्ण रोजगार स्तर पर' समग्र पूर्ति से अधिक होती है, तो यह मांग अधिक मांग (Excess demand) कहलाती है तथा यह अंतराल स्फीति अंतराल कहलाता है। इसे स्फीतिक अंतराल इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसके कारण अर्थव्यवस्था में स्फीति अर्थात कीमतों में लगातार वृद्धि उत्पन्न हो जाती है।

45. ग्रेशम का नियम व्याख्या करता है कि 'बुरी' मुद्रा 'अच्छी' मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है-

1. यह भारतीय अर्थव्यवस्था में काले धन के चलन का विश्लेषण करता है जो सामान्यतः हवाला मार्ग से कर स्वर्गों में जमा होता है।

2. चीनी मुद्रा युआन ने विदेशी विनिमय बाजार में यू.एस. डॉलर के प्राबल्य को प्रतिस्थापित किया-

नीचे दिए गए कूट के प्रयोग द्वारा असत्य कथन चुनिए।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न 2

उत्तर—(c)

ब्रिटेन के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री सर टॉमस ग्रेशम महारानी एलिजाबेथ के आर्थिक सलाहकार थे। जिन्होंने कहा था कि- ''बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को प्रचलन से बाहर कर देती है''। ग्रेशम के इस कथन को ही 'ग्रेशम का नियम' कहा जाता है।

46. स्थानापन्न के एक युग्म के लिए मांग प्रतिलोच होती है-

(a) धनात्मक (b) इकाई (c) ऋणात्मक (d) अनंत

उत्तर—(a)

आड़ी लोच का मान	**वस्तु का स्वभाव**
O	स्वतंत्र वस्तु
–	पूरक वस्तु
+	स्थानापन्न वस्तु
∞ (अनंत)	पूर्ण स्थानापन्न वस्तु

स्थानापन्न वस्तु - यदि किसी वस्तु का मूल्य बढ़ने (घटने) पर किसी अन्य वस्तु की मांग बढ़ती (घटती) है तो वस्तुएं एक-दूसरे की स्थानापन्न होंगी।
पूरक वस्तु - यदि किसी वस्तु का मूल्य बढ़ने (घटने) पर किसी अन्य वस्तु की मांग घटती (बढ़ती) है तो वस्तुएं परस्पर पूरक कहलाएंगी।

मांग की आड़ी लोच से तात्पर्य किसी संबंधित वस्तु के मूल्य में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप किसी दी हुई वस्तु की मांगी गई मात्रा में जो सापेक्षिक परिवर्तन होता है, उसकी माप ही मांग की आड़ी लोच है।

47. लघु अवधि में, फर्म की निश्चित लागत-

(a) शून्य है
(b) छोड़ी नहीं जा सकती
(c) उत्पादन की कटौती शून्य तक लाने के द्वारा ही केवल बचा जा सकता
(d) उत्पादन के साथ प्रत्यक्षतः परिवर्त्य

उत्तर—(b)

'मौद्रिक लागत' को 'आर्थिक लागत' कहा जाता है। मौद्रिक लागत तथा आर्थिक लागत किसी फर्म द्वारा एक वस्तु के उत्पादन में किए गए कुल मुद्रा व्यय को कहा जाता है। इसके अंतर्गत तीन लागतों को सम्मिलित किया जाता है-

1. सुनिश्चत लागतें या व्यक्त लागतें (Explicit Cost)- इन्हें 'लेखांकन लागतें' भी कहा जाता है। इसके अंतर्गत वे सभी व्यय आते हैं जो एक उत्पादक उत्पादन करने के लिए व्यय करता है, जैसे- कच्चे माल के क्रय पर व्यय, उत्पादन के विभिन्न साधनों को दिया जाने वाला लगान, ब्याज, वेतन आदि के रूप में उत्पादन लागत, विज्ञापन व्यय, विक्रय लागत, बीमा व्यय, कर आदि।

2. अंतर्निहित/अव्यक्त लागतें (Inputed Costs)- इसके अंतर्गत वे व्यय आते हैं जो उस समय उपस्थित होते हैं जबकि उत्पादन क्रिया में प्रयोग में आने वाले कुछ साधन स्वयं नियोक्ता के हों। जैसे प्रबंधकर्ता- मालिक का वेतन, जो वेतन न लेकर सामान्य लाभ से ही संतुष्ट है, यदि बिल्डिंग उद्योगपति की अपनी हो, तो उसका अनुमानित किराया, उद्योगपति की अपनी लगाई हुई पूंजी का ब्याज आदि।

3. सामान्य लाभ (Normal Profit)- लाभ की वह न्यूनतम मात्रा, जिसके बिना कोई भी साहसी किसी उद्योग में बना नहीं रह सकता है।
आर्थिक लागत या मौद्रिक लागत = लेखांकन लागत + अव्यक्त लागत + सामान्य लाभ

Adda247 GET IT ON Google Play

48. निम्नलिखित में से कौन-सा एक पूर्णतः प्रतिस्पर्धा बाजार का सर्वोत्तम उदाहरण है?
(a) हीरे (b) कृषि (c) एथलेटिक (d) मृदु पेय

उत्तर—(b)

कृषि पूर्णतः प्रतिस्पर्धी बाजार का सर्वोत्तम उदाहरण है क्योंकि यहां प्रतिस्पर्धी बाजार के समीकरण पाये जाते हैं-
पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत विक्रेताओं की अधिक संख्या, समरूप वस्तुओं का उत्पादन, बाजार की पूर्ण जानकारी, फर्मों के स्वतंत्र प्रवेश तथा बहिर्गमन के कारण किसी वस्तु की एक कीमत निर्धारित होती है तथा फर्मों के व्यवहार का कोई प्रभाव मूल्य पर नहीं पड़ता है। इस कारण से पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत एक व्यक्तिगत फर्म के मांग वक्र का स्वरूप पूर्णतया लोचदार अर्थात x-अक्ष के समानांतर होता है।

49. एक मूल्य और गुणवत्ता निर्धारक करार कहलाता है-
(a) दुरभिसंधि (b) मूल्य केंद्रण
(c) मूल्य नेतृत्व (d) गैर-दुरभिसंधि

उत्तर—(a)

एक मूल्य और गुणवत्ता निर्धारक करार दुरभिसंधि (Collusion) कहलाता है।

50. 'ब्याज तरलता से विदा होने का पुरस्कार है' अवधारित किया गया-
(a) ओहलिन द्वारा (b) एच. नाइट द्वारा
(c) जे.एम. कीन्स द्वारा (d) ए. मार्शल द्वारा

उत्तर—(c)

ब्याज के तरलता पसंदगी के सिद्धांत को प्रो. जे.एम.कीन्स ने प्रस्तुत किया। इस सिद्धांत के अनुसार, ब्याज वह प्रतिफल है जो एक निश्चित समय के तरलता के परित्याग के लिए होता है। इसके अनुसार, ब्याज दर का निर्धारण मुद्रा की मांग एवं मुद्रा की पूर्ति जैसी शक्तियों से निर्धारित होता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य-
- तरलता जाल की स्थिति में न्यून ब्याज दर पर तरलता की मांग पूर्णतया लोचदार होती है।
- कीन्स ने यह भी प्रतिपादित किया कि अवसाद से किसी अर्थव्यवस्था को बाहर निकालने के लिए यह आवश्यक है कि सरकार राजकोषीय नीति का सहारा ले तथा सार्वजनिक व्यय में वृद्धि लाएं।

51. लाभ का गतिशील सिद्धांत प्रतिपादित किया गया-
(a) ए. मार्शल द्वारा (b) वाल्रास द्वारा
(c) जे.बी. क्लार्क द्वारा (d) शुम्पीटर द्वारा

उत्तर—(c)

लाभ का गतिशील सिद्धांत जे.बी. क्लार्क द्वारा प्रतिपादित किया गया।

52. यदि एम.पी.सी. 0.75 है तब गुणक का मान होगा-
(a) 3.00 (b) 4.00 (c) 3.75 (d) 0.25

उत्तर—(b)

गुणक $(K) = \frac{1}{1 - MDC}$ (यहां MDC = .75)

इसलिए $\frac{1}{1 - .75} = \frac{1}{.25} = 4.00$

53. क्लासिकी प्रणाली के लक्षण हैं-
1. मौद्रिक कारक उत्पाद एवं रोजगार को निर्धारित करते हैं
2. अर्थव्यवस्था की स्वसमायोजन प्रणाली
3. प्रत्यक्ष विकास पर राज्य कार्रवाई
4. राज्य के नियंत्रण की अनुपस्थिति में बाजार के माध्यम से परिस्थिति का इष्टतम उपयोग

दिए गए उक्त में से कौन-सा सही है?
(a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3
(c) 2 और 4 (d) 1, 2 और 4

उत्तर—(c)

क्लासिकी प्रणाली के लक्षण हैं- अर्थव्यवस्था में स्वसमायोजन तथा राज्य के नियंत्रण की अनुपस्थिति में बाजार के माध्यम से परिस्थिति का इष्टतम उपयोग।

54. मूल्य विभेदीकरण की किस श्रेणी के अंतर्गत क्रेता का उपभोक्ता अतिरेक अनुपस्थिति होता है-
(a) प्रथम श्रेणी का मूल्य विभेदीकरण (b) द्वितीय श्रेणी का मूल्य विभेदीकरण
(c) तृतीय श्रेणी का मूल्य विभेदीकरण (d) उक्त सभी

उत्तर—(a)

मूल्य विभेदीकरण की प्रथम श्रेणी का मूल्य विभेदीकरण के अंतर्गत क्रेता का उपभोक्ता अतिरेक अनुपस्थिति होता है।

55. यदि पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार के अंतर्गत एक फर्म का मूल्य रु. 40 है, तब उसका औसत आगम होगा-
(a) रु. 40 के बराबर (b) रु. 40 से अधिक
(c) रु. 40 से कम (d) अपर्याप्त आंकड़े

उत्तर—(a)

चूंकि पूर्ण प्रतियोगिता में औसत आगम (AR) की कीमत (P) को ही प्रदर्शित करता है। अत: कीमत 40 रुपया होने पर फर्म का औसत आगम (AR) की 40 रुपया होगा।

56. सभी अंतरराष्ट्रीय व्यापार सेवाएं निम्नलिखित में से किस WTO करार के अंतर्गत आती हैं?
(a) GATs (b) TRIPs (c) TRIMs (d) PTA

उत्तर—(a)

सभी अंतरराष्ट्रीय व्यापार सेवाएं WTO करार के GATs के अंतर्गत आती हैं।

57. निर्यातक अपने जोखिम को किसके द्वारा कम कर सकते हैं?
(a) सट्टेबाजी (b) अंतरपणन (c) प्रतिरक्षण (d) वायदा

उत्तर—(c)

निर्यातक अपने जोखिम को प्रतिरक्षण (Hedging) द्वारा कम कर सकते हैं।

58. निम्नलिखित में से कौन-सा अंतरराष्ट्रीय संगठन विकासशील देशों में किए जाने वाले एफ.डी.आई. की रक्षा हेतु राजनैतिक बीमा की गारंटी देता है?
(a) IDA (b) IMF (c) IFC (d) MIGA

उत्तर—(d)

अंतरराष्ट्रीय संगठन मीगा (MIGA) विकासशील देशों में किए जाने वाले एफ.डी.आई. की रक्षा हेतु राजनैतिक बीमा की गारंटी देता है।

59. दिसंबर, 2017 तक, कितने देश WTO के सदस्य थे?
(a) 160 (b) 164 (c) 165 (d) 162

उत्तर–(b)

'विश्व व्यापार संगठन' (WTO) का मुख्यालय जेनेवा (स्विट्जरलैंड) में स्थित है। इसकी स्थापना 1 जनवरी, 1995 को की गई। वर्तमान में इसके सदस्यों की संख्या 160 है तथा ब्राजील के रॉबर्टो अजेवेडो इसके महानिदेशक हैं। दिसंबर, 2015 के मध्य WTO का 10वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (नैरोबी) केन्या में संपन्न हुआ जिसमें लाइबेरिया को 163वें ,एवं अफगानिस्तान को 164वें सदस्य देश के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई।

60. भुगतान संतुलन के विश्लेषण का 'अवशोषण अभिगम' निरूपित किया गया-
(a) एम. फ्रीडमैन द्वारा (b) मार्शल और लर्नर द्वारा
(c) सिडनी एलेक्जेंडर द्वारा (d) हेबर्लर द्वारा

उत्तर–(c)

मुद्रा मूल्य का अवशोषण सिद्धांत सिडनी एस. एलेक्जेण्डर ने दिया है। अवमूल्यन का अवशोषण सिद्धांत कीन्स के राष्ट्रीय आय संबंधों पर आधारित है, इसलिए इसे 'भुगतान शेष का कीन्सीय मार्ग' भी कहते हैं। सिडनी एलेक्जेण्डर ने कीन्सीय शब्दावली और विचारधारा को लेकर अवमूल्यन के आय पर प्रभाव का विश्लेषण किया है। उनके अनुसार यदि किसी देश के भुगतान-शेष में घाटा हो तो इसका मतलब है कि लोग जितना उत्पादन करते हैं उससे अधिक अवशोषण (Absorb) कर रहे हैं अर्थात राष्ट्रीय आय से उपभोग और निवेश पर घरेलू व्यय अधिक है। यदि भुगतान-शेष में अतिरेक हैं तो वे कम अवशोषण कर रहे हैं, अर्थात राष्ट्रीय आय से उपभोग और निवेश पर घरेलू व्यय कम है।

61. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT) का अंतिम सत्र है?
(a) सिंगापुर सत्र (b) जेनेवा सत्र
(c) वाशिंग्टन सत्र (d) उरुग्वे सत्र

उत्तर–(d)

प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT) का अंतिम सत्र ऊरुग्वे सत्र है।

62. किस पंचवर्षीय योजना में, भारत में राष्ट्रीय बागवान मिशन (NHM) शुरू किया गया?
(a) 8वीं पंचवर्षीय योजना (b) 9वीं पंचवर्षीय योजना
(c) 10वीं पंचवर्षीय योजना (d) 11वीं पंचवर्षीय योजना

उत्तर–(c)

10वीं पंचवर्षीय योजना (मई, 2005) में भारत में राष्ट्रीय बागवान मिशन (NHM) शुरू किया गया।

63. सार्वजनिक क्षेत्र के कमजोर बैंकों के पुनर्जीवन और पुनर्संरचना के लिए, कौन-सी समिति बनाई गई?
(a) वर्मा समिति (b) नरसिम्हन समिति
(c) रेखी समिति (d) गोइपोरिया समिति

उत्तर–(b)

सार्वजनिक क्षेत्र के कमजोर बैंकों के पुनर्जीवन और पुनर्संरचना के लिए नरसिम्हन समिति बनाई गई थी।

64. निम्नलिखित में से कौन मध्यवर्ती प्रश्रय के ऋणदाता के रूप में कार्य करेगा?
(a) RBI (b) NABARD
(c) SBI (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(c)

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) मध्यवर्ती प्रश्रय के ऋणदाता के रूप में कार्य करेगा।

65. दो चरों के बीच संबंध की डिग्री के निर्धारण में प्रयुक्त सांख्यिकी तकनीक कहलाती है-
(a) प्रकीर्णन (b) सूचकांक (c) सहसंबंध (d) कर्टोसिस

उत्तर–(c)

दो चरों के बीच संबंध की डिग्री के निर्धारण में प्रयुक्त सांख्यिकी तकनीक सहसंबंध कहलाती है।

66. शून्य परिकल्पना और वैकल्पिक परिकल्पना दर्शाई जाती है-
(a) H_1, H_0 क्रमशः द्वारा (b) α, β क्रमशः द्वारा
(c) H_0, H_1 क्रमशः द्वारा (d) इनमें से किसी द्वारा नहीं

उत्तर–(c)

शून्य परिकल्पना और वैकल्पिक परिकल्पना क्रमशः H_0, H_1 द्वारा दर्शाई जाती है।

67. सीमाशुल्क संघ का सदैव परिणाम होता है-
(a) व्यापार पथांतरण प्रभाव केवल (b) व्यापार सृजन प्रभाव केवल
(c) दोनों (a) और (b) (d) न तो (a) न (b)

उत्तर–(c)

सीमा शुल्क संघ का प्रभाव व्यापार पथांतरण (Trade diversion) तथा व्यापार सृजन दोनों पर पड़ता है।

68. बेहद सस्ती कीमत निर्धारणनीति बनाई गई है-
(a) प्रतिस्पर्धी को कारोबार से बाहर निकालने हेतु
(b) लाभ अधिकतम करने हेतु
(c) बाजार में बाहरियों को बढ़ावा देने हेतु
(d) न्यूनतम लागत उत्पाद प्राप्त करने हेतु

उत्तर–(a)

बेहद सस्ती कीमत निर्धारण नीति प्रतिस्पर्धी को कारोबार से बाहर निकालने हेतु बनाई जाती है।

69. 'पारस्परिक मांग' की अवधारणा का प्रतिपादन किया गया-
(a) एडम स्मिथ द्वारा (b) डेविड रिकार्डो द्वारा
(c) जे.एस. मिल द्वारा (d) पी.ए. सेम्युलसन द्वारा

उत्तर–(c)

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के पारस्परिक मांग सिद्धांत का प्रतिपादन जे.एस. मिल ने किया था। यह सिद्धांत किसी देश की एक वस्तु की मांग को अन्य वस्तु की उन मात्राओं के रूप में निर्दिष्ट करने के लिए प्रयोग किया जाता है जो वह बदले में छोड़ने को तैयार है।

70. ड्यूजेनबरी का दृष्टिकोण था कि अल्पविकसित देशों के भुगतान संतुलन पर किस कारण से गंभीर और विपरीत प्रभाव पड़ेगा?

(a) बैकवाश प्रभाव (b) फैलाव प्रभाव
(c) प्रदर्शन प्रभाव (d) गुणक प्रभाव

उत्तर–(c)

ड्यूजेनबरी का दृष्टिकोण था कि अल्पविकसित देशों के भुगतान संतुलन पर प्रदर्शन प्रभाव के कारण से गंभीर और विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

71. 'मुद्रा परिवर्तनीयता' का विचार जैसा कि आज की अर्थव्यवस्थाओं द्वारा प्रयोग किया जाता है, निम्नलिखित में से किस में उपजा?

(a) मार्शल योजना (b) वाशिंग्टन सर्वसम्मति
(c) आई.एम.एफ. योजना (d) ब्रेटन वुड्स

उत्तर–(d)

'मुद्रा परिवर्तनीयता' का विचार जैसा कि आज की अर्थव्यवस्थाओं द्वारा प्रयोग किया जाता है, ब्रेटन वुड्स योजना द्वारा लाया गया।

72. आगत-निर्गत तकनीक आविष्कृत की गई-

(a) गुननर मिर्डाल द्वारा (b) वासिली लियोनूटिफ द्वारा
(c) हॉलिस बी. चेनेरी द्वारा (d) रॉबर्ट सोलो द्वारा

उत्तर–(b)

हैक्शर-ओहलीन मॉडल के सत्यापन के संबंध में वर्ष 1951 में लियोन्टिफ ने संयुक्त राज्य अमेरिका का अध्ययन किया। लियोन्टिफ अपने अध्ययन में के आधार पर इस विरोध मूलक निष्कर्ष पर पहुंचा कि ''संयुक्त राज्य अमेरिका ने पूंजीवादी देश होते हुए भी श्रम गहन वस्तुओं का निर्यात तथा पूंजी गहन वस्तुओं का आयात किया।'' इस निष्कर्ष को ही 'लियोन्टिफ विरोधाभास' नाम दिया गया। लियोन्टिफ ने कहा कि-संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी प्रचुर साधन पूंजी को वस्तुओं के रूप में निर्यात करेगा, और अपने दूर्लभ साधन श्रम को वस्तुओं के रूप में आयात करेगा। अपनी इस भविष्य वाणी का परीक्षण करने के लिए लियोन्टिफ ने संयुक्त राज्य अमेरिका की वर्ष 1947 की 'आगत-निर्गत' तालिका का प्रयोग किया। इसी आगत-निर्गत मॉडल के लिए लियोन्टिफ को वर्ष 1975 में अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला था।

73. भारत में बीओपी में निम्नलिखित मदों पर विचार करें।

1. एन.आर.आई. जमाएं

2. विप्रेषण

उक्त में से कौन-सा भुगतान संतुलन के पूंजी खाते का भाग है?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) न तो 1 न 2 (d) 1 और 2 दोनों

उत्तर–(a)

एन.आर.आई. जमाएं भारत के भुगतान संतुलन (BOP) के पूंजी खाते का भाग है।

74. निम्नलिखित में से कौन-सा स्फीति गतिरोध का एक लक्षण नहीं है?

(a) निम्न संवृद्धि (b) उच्च रोजगार
(c) उच्च मुद्रास्फीति (d) उच्च बेरोजगारी

उत्तर–(b)

ऐसी स्थिति जिसमें स्फीति तथा मंदी दोनों की स्थिति साथ-साथ बनी रहे उसे 'स्टैग फ्लेशन' कहते हैं। इस स्थिति में आर्थिक वृद्धि दर, कीमत बढ़ने की दर से धीमी होगी। इस अवस्था में अर्थव्यवस्था दोनों ही उच्च स्फीति तथा उच्च बेरोजगारी से ग्रस्त रहती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- स्फीति की वह दर जिसको कोई अर्थव्यवस्था बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के वहन कर सके उसे 'स्फीति की पोषणीय या इष्टतम दर' कहते हैं।
- मूल्य स्तर में परिवर्तन की दर ही मुद्रास्फीति की दर प्रदर्शित करती है। अवस्फीति (Deflation) मुद्रास्फीति की सर्वथा विपरीत स्थिति होती है।
- स्फीति, मूल्य स्तर की वृद्धि की एक विशिष्ट दशा है, ठीक उसी प्रकार अवस्फीति मूल्य स्तर के गिरावट की एक विशेष अवस्था है।

75. BOP में घाटा सही किया जा सकता है-

(a) ब्याज दर में वृद्धि द्वारा
(b) ब्याज दर में कमी द्वारा
(c) विप्रेषण रोककर
(d) FII और FDI को हतोत्साहित करके

उत्तर–(a)

भुगतान संतुलन (BOP) में घाटे को पूरा करने के लिए घरेलू ब्याज दर को वैश्विक ब्याज दर की तुलना में बढ़ाकर पूरा किया जा सकता है।

76. एलेक्जेंडर हेमिल्टन और फेडरिक लिस्ट अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में किस तर्क के साथ जुड़े हैं-

(a) मुक्त व्यापार तर्क (b) शिशु उद्योग तर्क
(c) सूर्यास्त उद्योग तर्क (d) उक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(b)

शिशु उद्योग तर्क का समर्थन सबसे पहले में व्यवस्थित रूप से सन 1790 में एलेक्जेंडर हैमिल्टन ने दिया। सन 1885 में फ्रेडरिक लिस्ट ने इसे लोकप्रिय बनाया। इन अर्थशास्त्रियों ने यह तर्क दिया कि ''जिस उद्योग अथवा उद्योगों को संरक्षण प्रदान करना है। उसमें देश को अदृश्य तुलनात्मक लाभ होता है।''

'मिल का टेस्ट' (Mill'S Test) के अनुसार'-'संरक्षण देने के पूर्व यह देख लेना चाहिए कि उद्योग ने स्वयं पनपने के लिए आवश्यक योग्यता और अनुभव प्राप्त कर लिया है कि नहीं'।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- टैरिफ के लिए शिशु उद्योग तर्क सामान्य तौर से अल्पविकसित देशों पर लागू होता है।
- शिशु उद्योग तर्क की व्याख्या संरक्षण तथा घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने के के संदर्भ में की जाती है।
- 'शिशु का पालन करो, बालक की रक्षा करो और व्यस्क को स्वतंत्र कर दो यह 'शिशु उद्योग संरक्षण' के लिए कहा जाता है।
- प्रारंभ में शिशु उद्योग पैमाने की आंतरिक मितव्ययिताओं का लाभ नहीं उठा सकता है।

77. **जी.डी.पी. में अधिक आनुपातिक वृद्धि के सापेक्ष कर राजस्व में आनुपातिक वृद्धि कहलाती है-**
(a) कर की लोचशीलता (b) कर की उदासीनता
(c) कर की उत्प्लावकता (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(c)

जी.डी.पी. में अधिक आनुपातिक वृद्धि के सापेक्ष कर राजस्व में आनुपातिक वृद्धि कर की उत्प्लावकता कहलाती है।

78. **भारतीय रुपया का अवलमूल्यन किया गया-**
(a) 2001 में (b) 1971 में (c) 1991 में (d) 1997 में

उत्तर–(c)

देश की मुद्रा के विदेशी मुद्राओं के संदर्भ मूल्य में कमी या विदेशी विनिमय दर में वृद्धि को 'अवमूल्यन' कहते हैं। अवमूल्यन के परिणामस्वरूप अवमूल्यन करने वाले देश की मुद्रा अन्य देशों की तुलना में सस्ती हो जाती है, फलस्वरूप विदेशों से आने वाला आयात महंगा हो जाता है जबकि निर्यात अवमूल्यन के बाद सस्ता हो जाता है। इसलिए निर्यात प्रोत्साहित तथा आयात हतोत्साहित होगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

- अवमूल्यन के कारण अवमूल्यन करने वाले तथा अन्य देशों के आंतरिक मूल्य स्तर पर कोई प्रभाव नहीं होगा।
- यदि आयात एवं निर्यात के मूल्य मांग की लोच इकाई से कम है तो अवमूल्यन के बाद भुगतान शेष प्रतिकूल होगा या इकाई के बराबर होने पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- मार्शल लर्नर दशा, जो अवमूल्यन की प्रभावपूर्णता निर्धारित करती है, 'व्यष्टिपरक दृष्टिकोण' कहलाती है।
- सिडनी-अलेक्जेंडर ने समष्टि दृष्टिकोण विकसित किया जिसे 'अधिशोषण प्रत्यागम' (Absorption) कहते हैं।
- भारतीय रुपये का पहला अवमूल्यन 19 सितंबर, 1949 को किया गया। दूसरा अवमूल्यन 5 जून, 1966 को तथा तीसरा 1 जुलाई तथा 3 जुलाई 1991 को किया गया।
- अब तक तीन बार भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन किया गया है।

79. **कौन-सी एक गैर-प्रायिकता आधारित नमूनाकरण विधि है?**
(a) प्रणालीगत नमूनाकरण
(b) कोटा नमूनाकरण
(c) अनुक्रम यादृच्छिक नमूनाकरण
(d) साधारण यादृच्छिक नमूनाकरण

उत्तर–(b)

कोटा नमूनाकरण एक गैर-प्रायिकता आधारित नमूनाकरण विधि है।

80. **ए. डब्ल्यू. फिलिप्स का मजदूरी-मुद्रास्फीति एवं बेरोजगारी अन्तर्सम्बन्ध आधारित है-**
(a) स्थिर अपेक्षा परिकल्पना पर
(b) अनुकूलक अपेक्षा परिकल्पना पर
(c) बाह्य गणन अपेक्षा परिकल्पना पर
(d) युक्तिक अपेक्षा परिकल्पना पर

उत्तर–(b)

वर्ष 1958 में प्रख्यात ब्रिटिश अर्थशास्त्री ए. डब्ल्यू. फिलिप्स ब्रिटेन के लगभग 100 वर्षों के ऐतिहासिक आंकड़ों का उपयोग करते हुए इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि बेरोजगारी की दर तथा मुद्रास्फीति की दर के मध्य विपरीत संबंध पाया जाता है। इस विपरीत संबंध का अभिप्राय एक प्रतिस्थापन (Trade off) से होता है जिसमें बेरोजगारी कम करने के लिए मुद्रास्फीति की अपेक्षाकृत अधिक दर के रूप में कीमत चुकानी पड़ती है तथा मुद्रास्फीति की दर को कम करने के लिए बेरोजगारी की अपेक्षाकृत ऊंची दर के रूप में कीमत अदा करनी होती है। ऐतिहासिक आंकड़े रेखाचित्र के रूप में वक्र का रूप देने से फिलिप्स को नीचे की ओर गिरता हुआ वक्र मिला जो मुद्रास्फीति की दर तथा बेरोजगारी की दर के मध्य विपरीत संबंध प्रदर्शित करता है और अब यह वक्र 'फिलिप्स वक्र' के नाम से प्रसिद्ध है। परंतु मिल्टन फ्रीडमैन ने स्थिर फिलिप्स वक्र की धारणा को चुनौती दी और कहा कि मुद्रास्फीति की दर तथा बेरोजगारी के बीच ट्रेड-आफ (Trade-off) अल्पकाल में होता है, दीर्घकाल में यह समाप्त हो जाता है।

81. **भारत में मौद्रिक समाहार के संबध में, M^1 कहलाती है-**
(a) वृहत् मुद्रा (b) भंडारित मुद्रा
(c) संकीर्ण मुद्रा (d) मुद्रा गुणक

उत्तर–(c)

वर्ष 1967-68 तक मुद्रा पूर्ति का केवल एक ही माप-M प्रदर्शित करता था (M=C+DD+OD) जो बाद में M_1 के रूप में व्यक्त हुआ। वर्ष 1967-68 के बाद RBI ने व्यापक मुद्रा की धारणा (M_3) स्वीकार की।

M_1 = C+DD+OD

$M_2 = M_1$ + पोस्ट ऑफिस की बचत बैंक जमाएं

$M_3 = M_1$ + बैंकों तथा सहकारी बैंकों की समय जमाएं

$M_4 = M_3$ + पोस्ट ऑफिस की कुल जमाएं

M_1 सबसे तरल तथा M_4 सबसे अतरल होता है।

M_3 को 'व्यापक मुद्रा' कहते हैं।

82. **विश्व बैंक देशों को विकास के किस आधार पर वर्गीकृत करता है?**
(a) कृषिक आय (b) राष्ट्रीय आय
(c) प्रति व्यक्ति आय (d) जनसंख्या वृद्धि

उत्तर–(c)

विश्व बैंक देशों के विकास को प्रति व्यक्ति आय के आधार पर वर्गीकृत करता है। जिस देश की प्रति व्यक्ति आय अधिक होगी, उस देश की स्थिति को बेहतर माना जाता है।

83. **अधिकतम सामाजिक लाभ का नियम संबंधित है-**
(a) करारोपण से
(b) सार्वजनिक व्यय से
(c) सार्वजनिक ऋण से
(d) करारोपण और सार्वजनिक व्यय दोनों से

उत्तर–(d)

Adda247 GET IT ON Google Play

सामाजिक लाभ अधिकतम तब होता है जब सार्वजनिक व्यय के परिणामस्वरूप उपलब्ध सार्वजनिक वस्तुओं या सेवाओं से उत्पन्न होने वाली सीमांत सामाजिक लाभ तथा इन वस्तुओं को उपलब्ध कराने के लिए समाज द्वारा सरकार को दी गई कर राशि से उत्पन्न होने वाली सीमांत सामाजिक त्याग बराबर हो। जहां पर सीमांत सामाजिक लाभ तथा सीमांत सामाजिक त्याग बराबर होते हैं उस बिंदु को 'अधिकतम कुल सामाजिक लाभ' या 'न्यूनतम कुल सामाजिक त्याग का बिंदु' कहा जाता है। राजस्व के इस सिद्धांत को पीगू ने 'अधिकतम कुल कल्याण का सिद्धांत', डाल्टन ने 'अधिकतम सामाजिक कल्याण का सिद्धांत', आर.एन. भार्गव ने 'अधिकतम निवल कुल कल्याण का सिद्धांत' तथा प्रो. मशग्रेव ने 'बजट निर्धारण का अधिकतम कल्याण का सिद्धांत' कहा।

84. तुलनात्मक लाभ सिद्धांत का मूलभूत संदेश है-

(a) कुशल रूप से वस्तुएं उत्पादित करने में देशों की सामर्थ्य समान है
(b) अंतरराष्ट्रीय व्यापार एक देश के लिए विरले ही लाभदायी है
(c) अबाधित संभाव्य के अधीन मुक्त व्यापार विश्व उत्पाद बाधित व्यापार की अपेक्षा अधिक होता है
(d) व्यापार एक शून्य योग खेल है

उत्तर—(c)

तुलनात्मक लाभ सिद्धांत का मूलभूत संदेश है- अबाधित संभाव्य के अधीन मुक्त व्यापार विश्व उत्पाद बाधित व्यापार की अपेक्षा अधिक होता है।

85. विदेशी विनिमय की भौतिक सुपुर्दगी किस मामले में होनी चाहिए?

(a) चालू बाजार (b) स्पॉट बाजार
(c) पूंजी बाजार (d) वायदा बाजार

उत्तर—(b)

विदेशी विनिमय की भौतिक सुपुर्दगी स्पॉट बाजार के मामले में होनी चाहिए।

86. व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) स्थित है-

(a) जेनेवा में (b) रोम में
(c) पेरिस में (d) वाशिंग्टन डी सी में

उत्तर—(a)

अंकटाड की स्थापना वर्ष 1964 में संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभा के लिए स्थायी अंग के रूप में हुई थी। अंकटाड का मुख्यालय जेनेवा में है। UNCTAD का पूर्ण रूप है- 'United Nations Conference on Trade and Development'।

87. अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए पारंपरिक अर्थशास्त्रियों द्वारा विचार किया गया उत्पादन का एकमात्र कारक था-

(a) पूंजी (b) श्रम
(c) भूमि (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(b)

अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए पारंपरिक अर्थशास्त्रियों द्वारा विचार किया गया उत्पादन का एकमात्र कारक श्रम था।

88. वह स्थान जहां बैंकर मिलते हैं और आपसी दावे और खाते निपटाते हैं, ... कहलाता है।

(a) खजाना (b) समाशोधन गृह
(c) एकत्रण केंद्र (d) क्षेपण भूमि

उत्तर—(b)

वह स्थान जहां बैंकर मिलते हैं और आपसी दावे और खाते निपटाते हैं, समाशोधन गृह कहलाता है।

89. आरबीआई का लेखा वर्ष है-

(a) जुलाई-जून (b) अप्रैल-मार्च
(c) जनवरी-दिसंबर (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थापना रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट,1934 के तहत 1 अप्रैल, 1935 को हुई। यह भारत का केंद्रीय बैंक है तथा इसका मुख्यालय मुंबई में है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य-

- हिल्टन यंग आयोग पहला आयोग था जिसने केंद्रीय बैंक के रूप में 'रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया' नाम की संस्तुति की।
- जून, 1948 तक RBI ने पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक के रूप में कार्य किया।
- सी.डी.देशमुख इसके तीसरे तथा प्रथम भारतीय गवर्नर थे
- 1 जनवरी, 1949 को RBI का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया।
- RBI के 26 क्षेत्रीय कार्यालय हैं।
- भारतीय रिज़र्व बैंक का लेखा वर्ष 1 जुलाई से 30 जून है।

90. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति के मुख्य उपकरण के रूप में उभरा है?

(a) तरलता समायोजन सुविधा (b) वाणिज्यिक कागजात
(c) ट्रेजरी बिल (d) उक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(a)

भारतीय रिज़र्व बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति के मुख्य उपकरण के रूप में तरलता समायोजन सुविधा का उपयोग साख नियंत्रण के रूप में करता है।

अर्थव्यवस्था में कीमत तथा आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक दो प्रकार के साख नियंत्रणों का उपयोग करता है-

साख नियंत्रण के तरीके

परिमाणात्मक तरीके
⇒ बैंक दर
⇒ सीमांत स्थायी सुविधा दर
⇒ खुली बाजार की क्रियाएं
⇒ तरलता समायोजन सुविधा
⇒ रेपो एवं रिवर्स रेपो दर
⇒ परिवर्तनीय कोष अनुपात

चयनात्मक/गुणात्मक तरीके
⇒ न्यूनतम मार्जिन निर्धारण
⇒ नैतिक दबाव
⇒ साख मापदंड का निर्धारण
⇒ साख स्वीकृतिकरण योजना

91. **भारत के बैंकों को उनके जोखिमपूर्ण संपत्तियों और पूंजी के बीच एक निश्चित अनुपात अनुरक्षित करना है जिसे कहते हैं-**
(a) पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR)
(b) विधिक तरलता अनुपात (SLR)
(c) सामान्य बैंक रिजर्व (GBR)
(d) पूंजी-से-जोखिम- भारतीय पर्याप्तता अनुपात (CRAR)

उत्तर—(d)

भारत के बैंकों को उनके जोखिमपूर्ण संपत्तियों और पूंजी के बीच एक निश्चित अनुपात अनुरक्षित करना है, जिसे पूंजी-से-जोखिम- भारतीय पर्याप्तता अनुपात (CRAR) कहते हैं।

92. **स्वरोजगार के लिए गरीबीरोधी कार्यक्रम था-**
(c) NREP (d) IRDP (c) RLEGP (d) AAY

उत्तर—(*)

IRDP, NREP तथा RLEGP तीनों ही ग्रामीण निर्धनता को दूर करने वाले मुख्य कार्यक्रम हैं।

ये भी जाने-

समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (IRDP)- यह योजना 2 अक्टूबर, 1980 से छठी योजना के दौरान शुरू हुई थी। यह योजना गरीबी तथा बेरोजगारी के उन्मूलन की दिशा में पहली सबसे अधिक महत्त्वाकांक्षी योजना थी। इसका उद्देश्य कृषि व इससे संबंधित क्षेत्रों में उत्पादन व उत्पादिता को बढ़ाना तथा निर्धन वर्ग की आय व संसाधनों में वृद्धि करना था जिससे वे गरीबी रेखा के ऊपर आ सकें। इसके अंतर्गत गरीबी में जीवन-यापन करने वाले परिवारों को ऋण एवं अनुदान के माध्यम से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती थी। इसका क्रियान्वयन 'जिला ग्रामीण विकास अधिकरण (DRDA) द्वारा किया जाता था। IRDP को 1 अप्रैल, 1999 में 'स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना' (SGSY) के रूप में पुनर्गठित कर दिया गया। 'राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम' (NREP) को अक्टूबर, 1980 में 'काम के बदले अनाज कार्यक्रम' (जिसे 1977-78 में लागू किया गया) को पुनर्गठित करके शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य ग्रामीण निर्धनों को लाभप्रद रोजगार उपलब्ध कराना था। इसे अप्रैल, 1989 में 'जवाहर रोजगार योजना' (JRY) के साथ मिला दिया गया।

'ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम' (RLEGP) 15 अगस्त, 1983 को शुरू किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लाभप्रद रोजगार का सृजन, उत्पादक संपत्तियों को सृजित करना तथा जीवन की संपूर्ण गुणवत्ता में सुधार लाना था। इसे भी JRY में मिला दिया गया। NREP तथा RLGP का विलय JRY में हुआ तथा अप्रैल, 1999 में JRY को पुनर्गठित कर 'जवाहर ग्राम समृद्धि योजना' (JGSY) शुरू की गई, जिसे 25 सितंबर, 2001 में 'संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना' (SGRY) में मिला दिया गया तथा SGRY का विलय 2 फरवरी, 2006 से शुरू नरेगा में हो गया।

IRDP ⟶ SGSY ⟶ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन- NRLM (3 जून, 2011)

93. **सार्वजनिक व्यय में विस्थापना और संकेंद्रण की संकल्पनाओं का श्रेय किसे जाता है?**
1. **ए.सी. पीगू और जे.के. मेहता**
2. **ऐलन टी. पीकॉक और जैक वाइज़मैन**
3. **केनेथ एरो और पॉल ए. सेम्युलसन**
4. **ए.आर. प्रेस्ट और आई.एम.डी. लिटल**

दिए गए कथनों में से कौन-सा सही है?
(a) 1 और 2 (b) केवल 2 (c) 1, 2 और 3 (d) उक्त सभी

उत्तर—(b)

सार्वजनिक व्यय में विस्थापना और संकेंद्रण की संकल्पनाओं का श्रेय ऐलन टी. पीकॉक और जैक वाइज़मैन को जाता है।

94. **'सामान्य सेवाओं' पर व्यय है-**
(a) राजस्व व्यय (b) पूंजी व्यय
(c) योजनागत व्यय (d) गैर-योजनागत व्यय

उत्तर—(a)

'सामान्य सेवाओं' पर किया गया व्यय, राजस्व व्यय के अंतर्गत आता है।

95. **निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?**
(a) विनिमय गिरावट : बाजार प्रणाली
(b) अवमूल्यन : सरकार की नीतिगत कार्रवाई
(c) अवस्फीति : महंगी धन नीति
(d) विनिमय नियंत्रण : विदेशी विनिमय राशनिंग

उत्तर—(c)

विकल्प (c) सही सुमेलित नहीं है, शेष तीनों सुमेलित हैं।

96. **विशेष आहरण अधिकार (SDRs) आई.एम.एफ. की मुद्रा है। यह किस के रूप में होती है?**
(a) कागजी मुद्रा (b) सोना
(c) चांदी और सोना (d) बही-खाता प्रविष्टि

उत्तर—(d)

विशेष आहरण अधिकार (SDRs) आई.एम.एफ. की मुद्रा है। यह बही-खाता प्रविष्टि के रूप में होती है।

97. **एक सममित बंटन हेतु विषमता (β_1) होगी-**
(a) 3 (b) 0 (c) 1 (d) 2

उत्तर—(b)

एक सममित बंटन हेतु विषमता (β_1) शून्य होगी।

98. **व्यापार चक्र का वर्णन करने के लिए त्वरक सिद्धांत का प्रयोग किया गया-**
(a) ऐरो द्वारा (b) हिक्स द्वारा
(c) कीन्स द्वारा (d) जे.बी. से द्वारा

उत्तर—(b)

व्यापार चक्र का वर्णन करने हेतु त्वरक सिद्धांत का प्रयोग हिक्स द्वारा किया गया।

99. **घटकों के ह्रासमान प्रतिफल का नियम प्रासंगिक है-**
(a) लघु अवधि में (b) दीर्घावधि में
(c) बाजार अवधि में (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

घटकों के ह्रासमान प्रतिफल का नियम लघु अवधि में प्रासंगिक है।

100. कार्टेल का भाग है-

(a) एकाधिकार का (b) अल्पाधिकार का
(c) पूर्ण प्रतिस्पर्धा का (d) एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा का

उत्तर—(b)

कार्टेल की स्थिति अल्पाधिकार बाजार में पाई जाती है।

101. अनुचित व्यापार व्यवहार किसमें शामिल किया जाता है?

(a) FERA (b) FEMA
(c) MRTP एक्ट (d) एंटी मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट

उत्तर—(c)

अनुचित व्यापार व्यवहार MRTP एक्ट में शामिल किया जाता है।

102. वह कथन चुनिए जो ऋण जाल की संकल्पना को सही परिभाषित करता है।

(a) एक अर्थव्यवस्था की स्थिति जो पिछली उधारियां चुकाने के लिए उधार लेता है
(b) एक स्थिति जब एक अर्थव्यवस्था पिछली उधारियां चुकाने के लिए भुगतान करने से अधिक उधार लेती है
(c) एक स्थिति जब एक अर्थव्यवस्था पिछली उधारियों की ब्याज चुकाने तक के लिए उधार लेती है
(d) एक स्थिति जब एक अर्थव्यवस्था की फॉरेक्स रिजर्व ग्रोथ रेट उसके बाह्य उधारियों के ग्रोथ रेट से पिछड़ता है

उत्तर—(c)

एक स्थिति जब एक अर्थव्यवस्था पिछली उधारियों की ब्याज चुकाने तक के लिए उधार लेती है, तो यह स्थिति ऋण जाल की संकल्पना को प्रदर्शित करती है।

103. मुद्रास्फीति के संबंध में सूची लागत संदर्भित करती है-

(a) पुनर्मूल्यन मुद्रा का मूल्य
(b) बदलती मूल्य सूची की लागत
(c) मौद्रिक आधार के अनुरक्षण की लागत
(d) लाभ की बेहतर दरें प्रापत करने की लागत

उत्तर—(b)

मुद्रास्फीति के संबंध में सूची लागत बदलती मूल्य सूची की लागत को संदर्भित करती है।

104. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

(a) वैश्विक तापन सरल रूप में हरित गैस प्रभाव का दूसरा नाम है
(b) वैश्विक तापन पूर्णतः प्राकृतिक परिघटना है
(c) वैश्विक तापन का अर्थ है ग्लेशियर पिघलना
(d) वैश्विक तापन है पृथ्वी-सतह पर औसत तापमान में वृद्धि

उत्तर—(d)

वैश्विक तापन का अर्थ होता है- पृथ्वी की सतह पर औसत तापमान में वृद्धि होना।

105. प्रेबिश-सिंगर परिकल्पना संबंधित है-

(a) विकासशील देशों की भुगतान संतुलन समस्या से
(b) विकासशील देशों के व्यापार की शर्तों से
(c) विकासशील देशों में गरीबी की विद्यमानता से
(d) विकासशील देशों में आय की असमानता से

उत्तर—(b)

प्रेबिश-सिंगर परिकल्पना विकासशील देशों के व्यापार की शर्तों से संबंधित है।

106. हाल ही में, भारत ने अपनी राष्ट्रीय आय मापने की नई विधि अपनाई है। नई विधि करों को 'उत्पाद' और 'उत्पादन' में वर्गीकृत करती है। नीचे दिया कथन छांटिए जो करों के संबंध में सही हैं।

1. दोनों कर उत्पादकों पर लगाए जाते हैं।
2. जबकि उत्पाद कर चर हैं, उत्पादन कर निश्चित हैं।
3. भूराजस्व, व्यवसाय कर, स्टैंप और पंजीकरण शुल्क भारत में उत्पादन करों के कुछ उदाहरण हैं।
4. बिक्री कर, उत्पादशुल्क, सेवा कर, आयात और निर्यात कर भारत में उत्पाद करों के उदाहरण है।

कूट का प्रयोग कर सही कथन चुनिए।

(a) केवल 1 (b) 1, 2 और 3
(c) 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर—(d)

विकल्पगत चारों कथन राष्ट्रीय आय मापने के बारे में सत्य हैं।

107. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. एक स्थिति जब लोग सोचते हैं कि वे मुद्रास्फीति के समय अमीर हो रहे हैं, 'मुद्रा भ्रम' कहलाती है
2. यह माना जाता है कि 'मुद्रा भ्रम' का निम्नतर सतर अर्थव्यवस्था को गति देने में लाभ-दायक है।

कूट का प्रयोग कर सही कथन चुनिए।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) न तो 1 न 2 (d) 1 और 2 दोनों

उत्तर—(d)

मुद्रा भ्रम (Money illusion) की स्थिति को फिशर ने प्रचलित किया था। मुद्रा भ्रम के संदर्भ में विकल्पगत दोनों कथन सत्य हैं।

108. एक 'J- वक्र प्रभाव' का विदेशी विनिमय प्रबंधन के क्षेत्र में अर्थ है-

(a) अधिशेष प्रेषण से पूर्व अवमूल्यन के बाद बीओपी में एक घाटा किया जाता है
(b) यद्यपि प्राथमिक वस्तुओं में से अर्थव्यवस्था की विदेशी विनिमय आय कम होती है किन्तु वे सतत हैं

(c) एक स्टॉक एक्सचेंज के बाहर सभी अंतरणों का लेखा तब होता है जब एक वार स्टॉक एक्सचेंज अगले दिन खुलता है और एक J-वक्र का अनुसरण करता है

(d) कोई भी विश्व अर्थव्यवस्था प्रबंधन में उतनी विशेषज्ञ नहीं होती जितनी पिछली सफल अर्थव्यवस्था

उत्तर—(a)

एक J-वक्र का प्रभाव विदेशी विनिमय प्रबंधन के संबंध में व्याख्या करता है कि अधिशेष प्रेषण से पूर्व अवमूल्यन के बाद बीओपी में एक घाटा किया जाता है।

109. जब एक वस्तु के मूल्य में परिवर्तन के साथ उस पर कुल परिव्यय स्थिर रहता है, तब यह मामला है-

(a) पूर्णतः लोचशील मांग का

(b) पूर्णतः अलोचशील मांग का

(c) ऐकिक : लोचशील मांग का

(d) अपेक्षाकृत लोचशील मांग का

उत्तर—(c)

जब एक वस्तु के मूल्य में परिवर्तन के साथ उस पर कुल परिव्यय स्थिर रहता है, तब यह ऐकिक : लोचशील मांग को प्रदर्शित करता है।

110. कॉब डगलस उत्पादन फलन $Q = AL^{\alpha}K^{1-\alpha}$ हेतु प्रतिस्थापन की लोचशीलता होती है-

(a) शून्य (b) अनंत

(c) एक (d) उक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c)

आगतों तथा निर्गतों के बीच एक तकनीकी संबंध होता है जो यह स्पष्ट करता है कि उत्पादक, आगतों की एक निश्चित मात्रा से अधिक से अधिक कितना उत्पादन प्राप्त कर सकता है। इस तकनीकी संबंध को ही 'उत्पादन फलन' कहते हैं।

$$Q = f(L, K)$$

कॉब-डगलस अपने उत्पादन फलन के सिद्धांत में दो साधनों को लेते हैं- श्रम तथा पूंजी।

$$Q = AL^{\alpha}K^{1-\alpha}$$

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कॉब-डगलस उत्पादन फलन से श्रम के सामूहिक सापेक्ष भाग के स्थिर रहने की व्याख्या होती है।
- कॉब-डगलस उत्पादन फलन रेखीय समरूप उत्पादन फलन है।
- पैमाने के स्थिर प्रतिफल प्राप्त होते हैं।
- श्रम का सीमांत उत्पादन पूंजी श्रम अनुपात पर निर्भर करता है और साधनों के प्रयोग की गई मात्राओं से स्वतंत्र होता है।
- दो साधनों के बीच तकनीकी प्रतिस्थापन की लोच 'इकाई' के समान होती है।

111. मूल्य विभेदीकरण में मूल्य उस बाजार में उच्च होगा जहां मांग है-

(a) कम लोचशील (b) अधिक लोचशील

(c) ऐकिक लोचशील (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a)

विभेदात्मक एकाधिकार की स्थिति में एकाधिकारी मांग के मूल्य लोच के आधार पर बाजारों को कई भागों में बांट कर क्रेताओं से भिन्न-भिन्न कीमतें वसूलता है। जिस बाजार में मूल्य लोच अधिक उसमें सीमांत आय अधिक तथा कीमत-विभेद लाभकारी होगा। $\left[MR = AR\left(\frac{e-1}{e}\right)\right]$ अतः यदि $MR_1 > MR_2$ की स्थिति है तो एकाधिकारी प्रथम बाजार में अधिक वस्तुएं तथा दूसरे बाजार में कम वस्तुएं बेचेगा और वह दूसरे बाजार से वस्तु की बिक्री कम करके उसे प्रथम बाजार में बेचता चला जाएगा। यह क्रिया तब तक चलेगी जब तक कि दोनों बाजारों में सीमांत आय बराबर नहीं हो जाती ($MR_1 = MR_2$)। इस स्थिति में विभेदकारी एकाधिकारी के लाभ अधिकतम होंगे। विभेदकारी, एकाधिकारी, के संतुलन के लिए दो शर्तों की पूर्ति आवश्यक होती है-

1. सकल सीमांत आय (AMR) = सीमांत लागत (MC)
2. $MR_a = MR_b = MC$

112. 'इकोनोमिक्स ऑफ इम्परफेक्ट कॉम्पीटीशन' किसने लिखी?

(a) चेंबरलीन (b) जॉन रॉबिन्सन

(c) कॉर्नोट (d) श्राफा

उत्तर—(b)

'इकोनोमिक्स ऑफ इम्परफेक्ट कॉम्पीटीशन' मि. जॉन रॉबिन्सन द्वारा लिखित पुस्तक है।

113. माल्थस सिद्धांत के मामले में, यदि मजदूरी बढ़ती है, तब इसका परिणाम होगा-

(a) जनसंख्या में वृद्धि

(b) उत्पादन में वृद्धि

(c) जनसंख्या में कमी

(d) पूंजी केंद्रण में वृद्धि

उत्तर—(a)

माल्थस सिद्धांत के मामले में, यदि मजदूरी बढ़ती है, तब इसका परिणाम जनसंख्या में वृद्धि होगा।

114. किसका विश्लेषण इस मान्यता के साथ शुरू हुआ कि अर्थव्यवस्था के उत्पाद की कुल मांग की मात्रा चार प्रकार के व्ययों-उपभोक्ता व्यय, निवेश, सरकारी व्यय और निवल निर्यातों का योग था?

(a) पॉल ए. सेम्युलसन का (b) मिल्टन फ्रीडमैन का

(c) जॉन मेनार्ड कीन्स का (d) सर जॉन हिक्स का

उत्तर—(c)

Adda247 GET IT ON Google Play

जॉन मेनार्ड कीन्स का विश्लेषण इस मान्यता के साथ शुरू हुआ कि अर्थव्यवस्था के उत्पाद की कुल मांग की मात्रा चार प्रकार के व्ययों- उपभोक्ता व्यय, निवेश, सरकारी व्यय और निवल निर्यातों का योग था।

115. मौद्रिक मजदूरी मुद्रास्फीति एवं बेरोजगारी के मध्य प्रतिलोम संबंध की प्रथमतया व्याख्या की गई-

(a) ए. डब्ल्यू. फिलिप्स द्वारा (b) मिल्टन फ्रीडमैन द्वारा
(c) फिलिप केगेन द्वारा (d) रॉबर्ट ल्यूकस द्वारा

उत्तर—(a)

मुद्रास्फीति की दर के मध्य आनुभविक संबंध का प्रतिपादन किया था, जबकि मिल्टन फ्रीडमैन के अनुसार, अल्पकाल में बेरोजगारी की दर तथा मुद्रास्फीति की दर के मध्य Trade-off होता है और दीर्घकाल में इन दोनों के बीच कोई ट्रेड-ऑफ नहीं पाया जाता है।

116. कीन्स का उपभोग का नियम लागू होता है-

(a) समाजवादी अर्थव्यवस्था पर (b) मिश्रित अर्थव्यवस्था पर
(c) पूंजीवादी अर्थव्यवस्था पर (d) उपरोक्त सभी पर

उत्तर—(c)

कीन्स का उपभोग का नियम पूंजीवादी अर्थव्यवस्था पर लागू होता है।

117. निम्नलिखित में से किस बाजार स्थिति में फर्म आपस में मूल्य निर्धारण और उत्पाद निर्णय में अंतर्निर्भर होती हैं?

(a) अल्पाधिकार में (b) एकाधिकार में
(c) एकाधिकारात्मक प्रतिस्पर्धा में (d) पूर्ण प्रतिस्पर्धा में

उत्तर—(a)

अल्पाधिकार बाजार स्थिति में फर्म आपस में मूल्य निर्धारण और उत्पाद निर्णय में अंतर्निर्भर होती हैं।

118. लियोन्टिफ विरोधाभास बताता है कि-

(a) यू.एस.ए. के निर्यात श्रम-गहन और आयात पूंजी गहन हैं
(b) यू.एस.ए. के निर्यात और आयात दोनों पूंजी गहन हैं
(c) यू.एस.ए. के आयात और निर्यात दोनों श्रम-गहन हैं
(d) यू.एस.ए. के निर्यात पूंजी गहन और आयात श्रम-गहन हैं

उत्तर—(a)

प्रो. लियोन्टीफ ने हैक्शर-ओहलिन सिद्धांत के सत्यापन के संबंध में वर्ष 1951 में संयुक्त राज्य अमेरिका का अध्ययन किया। हैक्शर-ओहलिन कहता है कि जिस देश में पूंजी प्रचुर मात्रा में होगी वह देश सापेक्षतया अधिक पूंजी गहन वस्तुओं का निर्यात करेगा और उन वस्तुओं का आयात करेगा जिनके उत्पादन में दुर्लभ साधन श्रम की सापेक्षतया बड़ी मात्राओं की जरूरत पड़ती है। लियोन्टीफ अपने आनुभविक अध्ययन के आधार पर इस विरोधाभासी निष्कर्ष पर पहुंचा कि विश्व के अन्य देशों के सापेक्ष अमेरिका में पूंजी की सापेक्षतया बड़ी मात्रा और श्रम के सापेक्षतया थोड़ी मात्रा है, फिर भी अमेरिका ने श्रम-गहन वस्तुओं का निर्यात और पूंजी गहन वस्तुओं का आयात किया। इस निष्कर्ष को ही 'लियोन्टीफ विरोधाभास' कहा जाता है, जिसका संबंध हैक्शर-ओहलिन मॉडल से है।

119. संरचनात्मक समायोजन सुविधा किसके द्वारा उपलब्ध कराई जाती है?

(a) IMF (b) ADB (c) WTO (d) IBRD

उत्तर—(a)

संरचनात्मक समायोजन सुविधा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) द्वारा उपलब्ध करायी जाती है।

120. निम्नलिखित में से किस देश ने सर्वप्रथम आईएमएफ से निधि उधार लिया था?

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) फ्रांस
(c) स्पेन (d) भारत

उत्तर—(b)

फ्रांस द्वारा सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) से निधि उधार लिया गया था।

121. बौद्धिक संपत्ति अधिकार व्यवस्था का प्रबंधन करता है-

(a) IMF (b) WTO (c) EU (d) SAARC

उत्तर—(b)

बौद्धिक संपत्ति अधिकार व्यवस्था का प्रबंधन (WTO) करता है।

122. एक अधिमूल्यित मुद्रा का निम्नलिखित में से कौन-सा प्रभाव होगा?

(a) आयात और निर्यात को बराबर रूप से सस्ता बनाना
(b) आयात को अपेक्षाकृत रूप से सस्ता बनाना
(c) आयात और निर्यात को समान रूप से महंगा बनाना
(d) आयातों को अपेक्षाकृत रूप से अधिक महंगा बनाना

उत्तर—(b)

एक अधिमूल्यित मुद्रा का प्रभाव आयात को अपेक्षाकृत रूप से सस्ता बनाना होता है।

123. आई.एम.एफ. और विश्व बैंक के मुख्यालय स्थित हैं-

(a) जेनेवा और मांट्रियल में (b) जेनेवा और विएना में
(c) न्यूयॉर्क और जेनेवा में (d) वाशिंगटन डी.सी. में

उत्तर—(d)

आई.एम.एफ. और विश्व बैंक के मुख्यालय वाशिंगटन डी.सी. में स्थित हैं।

124. किसने भारत को व्यय कर शुरू करने का सुझाव दिया?

(a) जे.आर. हिक्स (b) ए.के. सेन
(c) एन. केल्डॉर (d) उर्सुला हिक्स

उत्तर—(c)

एन. केल्डॉर ने भारत को व्यय कर शुरू करने का सुझाव दिया था।

125. निम्नलिखित में से किस समिति ने भारत में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) की स्थापना की संस्तुति की?

(a) नरसिम्हा समिति (b) सिवारमन समिति
(c) अभिजीत सेन समिति (d) चक्रवर्ती समिति

उत्तर—(b)

सिवारमन समिति ने भारत में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) की स्थापना की संस्तुति की।